



Literacy for a Billion

Movie: Mast

Year: 1999

पूछो ना यार क्या हुआ
उनका दीदार क्या हुआ
सपने मेरे रँग लाए
हाँ लाए
उसने कहा मैं तेरी हूँ जानां

पूछो ना यार क्या हुआ
ये सब हुआ कैसे

पिट्ज़ा का लेके ऑडर
मैं गया बंगले के अंदर
मैंने टिंग टिंग बैल बजाई
फिर क्या होना था ए भाई
मेरे प्यार की खुशबू से वो
खोलने दरवाज़ा आई
लड़ गई ये दोनों आँखें
थोड़ी शरमाई मुसकाई
उसके सीने में भी धक धक
मेरे सीने में भी धक धक

उसके सीने में भी धक धक
मेरे सीने में भी धक धक

फिर क्या हुआ ...
बोल ना यार

पूछो ना यार क्या हुआ
उनका दीदार क्या हुआ
सपने मेरे रँग लाए

Song: Pucho Na Yaar Kya Huva

Lyricist: Nitin Raikwar

हाँ लाए
उसने कहा मैं तेरी हूँ जानां
पूछो ना यार क्या हुआ

क्या पुराने रेकार्ड की तरह
अटक रहा है हाँ
यार तेरा हमेशा का यही
लोचा है
इंटरस्ट में लाता है
और अटका देता है
ओय साला तेरको मालूम
अपने को कितना खुशी होता है
आगे बता

सेलल्यूलर पे कॉल आया
उसने नो का बटन दबाया
टेलीफ़ोन का वो रिसीवर
रख दिया झट से उलटकर
होश था बेहोश भी था
मेरे दिल में जोश भी था
मैंने बोला मैं हूँ आशिक़
तुमको चाहूँ बेतहाशा
मैंने उसका हाथ पकड़कर
कह दिया जो भी कहना था
मैंने उसका हाथ पकड़कर
कह दिया जो भी कहना था

फिर क्या हुआ ...
बता ना यार



Literacy for a Billion

पूछो ना यार क्या हुआ
उनका दीदार क्या हुआ
सपने मेरे रँग लाए
हाँ लाए
उसने कहा मैं तेरी हूँ जानां
पूछो ना यार क्या हुआ

ये तो कमाल हो गया
तू तो मालामाल हो गया
मोहब्बत के ख़ज़ाने में
एक मिनट एक मिनट
उसने कुछ कहा कि नहीं हँ

उसने मेरी आँखों में
आँखें डालकर कहा

हो गई हूँ मैं तुम्हारी
दिल तुम्हें मैंने दे डाला

मुझको दुनिया की नहीं परवाह
तुम हो मजनुँ मैं हूँ लैला
कौन हो तुम कहाँ से आए
तुमसे मैं ये ना पूछूँगी
तुम मिले सब कुछ मिला है
तुमको जीवन भर चाहूँगी
फिर कहा बातों बातों में
ले लो मुझको तुम बाँहों में
फिर कहा बातों बातों में
ले लो मुझको तुम बाँहों में
अब बस हुआ ...

तू बंद कर फेंकना
पकड़ा गया देख ना
करते हैं हम ये दुआ
उस खुदा से
हो जाए सच तेरा
सपना यारा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.